पंप स्टोरेज पावर की आठ परियोजनाओं का होगा शिलान्यास

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी : 4.0) के जरिए ऊर्जा क्षेत्र के कई बड़े प्रोजेक्ट को जमीन पर उतारने की तैयारी प्रदेश सरकार ने की है। इस कड़ी में पंप स्टोरेज पावर (पीएसपी) हाइड्रोपावर की आठ परियोजनाओं का शिलान्यास जीबीसी में प्रधानमंत्री करेंगे। करीब 67 हजार करोड़ रुपये की इन परियोजनाओं की कुल उत्पादन क्षमता 13,250 मेगावाट होगी।

ग्रीनको ग्रुप, टोरेंट पावर, जेएसडब्ल्यू नियो एनर्जी लिमिटेड, एसीएमई क्लीनटेक सोल्यूशंस, अमुनरा इन्फ्राटेक एवं एग्रीटेक प्रा. लि. और अवाडा वाटर बैटरी जैसी प्रतिष्ठित कंपनियां इस क्षेत्र में बड़ा निवेश कर रही हैं। इन आठ परियोजनाओं में से छह सोनभद्र और दो मीरजापुर व चंदौली जिलों में स्थित हैं। सोनभद्र की परियोजनाओं के लिए जल सोन नदी से लिया जाएगा, जबकि मीरजापुर व चंदौली के लिए जल का स्रोत अदवा डैम तथा मूसाखंड डैम होंगे। पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट पर्यावरण के अनुकूल और संधारणीय ऊर्जा के स्रोत माने जाते हैं।

पीएसपी परियोजनाओं में सबसे बड़ा प्रोजेक्ट ग्रीनको ग्रुप द्वारा स्थापित किया जा रहा है। ग्रीनको 3,600 मेगावाट का संयंत्र लगा रही है।

सोन नदी पर निर्मित इस परियोजना के लिए जलाशय को एक बार भरने के लिए 43.66 एमसीएम जल की आवश्यकता होगी। यह परियोजना गुरार, गारवा, पिंडारी, रानीदेव, मुहुना तथा बैजनाथ जैसे गांवों के आर्थिक विकास को भी गति देने में सहायक होगी। वहीं, टोरेंट पावर ने सोन नदी पर 1,750 मेगावाट क्षमता वाला पंप स्टोरेज संयंत्र स्थापित कर रही है।

सोनभद्र में निर्मित यह संयंत्र स्वच्छ एवं पर्यावरण अनुकूल परियोजना है, जो कि रिवराइन ईकोसिस्टम को न परिवर्तित करती है, न ही नुकसान पहुंचाती है।

67 हजार करोड़ का होगा निवेश

- पीएसपी हाइड्रोपावर से प्रदेश को मिलेगी 13,250 मेगावाट बिजली
- छह परियोजनाएं सोनभद्र तथा दो मीरजापुर व चंदौली में हो रहीं स्थापित

औद्योगिक विकास प्राधिकरणों के पास उपलब्ध है पर्याप्त भूमि

प्रदेश में उद्योगों की स्थापना के लिए औद्योगिक विकास प्राधिकरणों ने बड़े पैमाने पर भूमि चिह्नित कर रखी है। उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) के पास 17.56 लाख वर्ग मीटर क्षेत्र लैंड बैंक के रूप में उपलब्ध है, जबकि 80.47 हजार वर्ग मीटर क्षेत्र डिफेंस कारिडोर के पास एलोकेशन के लिए उपलब्ध है। वहीं, ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने उद्योगों को 2,568 भूखंड आवंटित किए हैं, जबकि 2,07,924 वर्ग मीटर भूमि आवंटन के लिए अभी भी उपलब्ध है।

इसी तरह, नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने 11,162 औद्योगिक भूखंड आवंटित किए हैं जबकि 1,734.74 वर्ग मीटर का क्षेत्र आवंटन के लिए लंबित है। गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने औद्योगिक इकाइयों को 981 भूखंड आवंटित किए हैं जबकि 5,87,106 वर्ग मीटर का आवंटन किया जाना बाकी है। इसी प्रकार, यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने वित्तीय वर्ष 2022-23 और 2023-24 के दौरान उद्योगों को 244.21 एकड़ के कुल 261 भूखंड आवंटित किए हैं।

ये कंपनियां स्थापित कर रही हैं पीएसपी प्लांट

कंपनी का नाम	जिला	जल स्रोत	क्षमता (मेगावाट में)	निवेश (करोड़ में)
ग्रीनको एनर्जीज प्र. लि.	सोनभद्र	सोन नदी	3,660	17,180.79
टोरेंट पावर लि. (दो परियोजनाएं)	सोनभद्र	सोन नदी	4,150	24,200
जेएसडब्ल्यू नियो एनर्जी लि.	सोनभद्र	सोन नदी	1,200	5,530
अवाडा वाटर बैटरी	सोनभद्र	सोन नदी	1,120	6,119
अमुनरा इन्फ्राटेक एवं एग्रीटेक	सोनभद्र	सोन नदी	1,620	7,374.57
एसीएमई क्लीनटेक सोल्यूशंस (दो परि.)	चंदौली व मीरजापुर – मूसाखंड डैम व अदवा डैम – 6,561			

निवेश सारथी बना जानकारी पहुंचाने का माध्यम

औद्योगिक विकास प्राधिकरणों ने निवेश सारथी पोर्टल पर खाली भूखंडों का डाटा अपलोड किया है, इससे निवेशकों को पर्याप्त जानकारी आनलाइन ही उपलब्ध हो रही है। इसके अलावा विभिन्न औद्योगिक विकास प्राधिकरणों ने अपने पोर्टल पर भी उपलब्ध भूखंडों के संबंध में विवरण साझा किया है। नए निवेशकों के लिए रुग्ण इकाइयों की भूमि उपलब्ध कराने का प्रविधान भी किया गया है। निवेशकों को भूमि खरीद में स्टांप शुल्क की छूट, भूमि सब्सिडी समेत कई प्रकार के प्रोत्साहन सरकार द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे हैं।